भारतीय पुरातत्व

डॉ. राकेश प्रकाश पाण्डेय

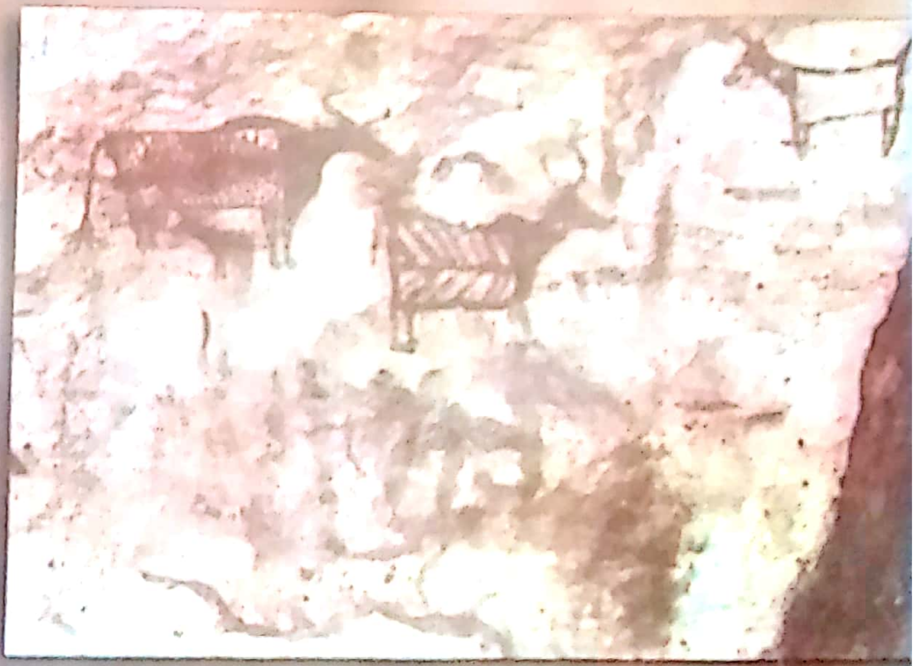

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल

Scanned with OKEN Scanner

55

भारतीय पुरातत्व

प्रो० नागेश दुबे

लेखक

डॉ. राकेश प्रकाश पाण्डेय

रीडर

प्राचीन भारतीय इतिहास
संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

सिंघई ग्रंथालय
पुस्तक विक्रेता एवं स्टेशनर्स
प्राइवेट बस स्टेंड के सामने
[illegible] सागर 223077

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

भारतीय पुरातत्व : डॉ. राकेश प्रकाश पाण्डेय

INDIAN ARCHAEOLOGY : Dr. Rakesh Prakash Pandey

© लेखकाधीन

ISBN : 81-7327-194-I

☐ प्रादेशिक भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तरीय ग्रन्थों और साहित्य के निर्माण के लिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) की केन्द्र प्रवर्तित योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा रियायती दर पर उपलब्ध कराये गये कागज एवं मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्राप्त अनुदान की मदद से रियायती मूल्य पर मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित

प्रकाशक : ... अकादमी,
... नाथ ठाकुर मार्ग, ...,
... (म.प्र.) 462 003
... (0755) 255308
फ... 755) 2762123

संस्करण : तृतीय (आवृत्ति) 2007

मूल्य : रु. [redacted]

मुद्रक : ... वैल ... प्रिंटर्स प्रा.लि. ... म.प्र.) दूरभाष : 2764717

प्राक्कथन

मातृभाषा के माध्यम से अध्ययन निर्विवाद रूप से श्रेयस्कर एवं लाभदायी है, इसे सभी शिक्षाविदों ने माना है। इससे विद्यार्थियों की सृजनशीलता को प्रोत्साहन तो मिलता ही है, साथ ही ज्ञान के गहन गंभीर विचारों को समझने में आसानी होती है। इसी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अपनी भाषा से लगाव का निहितार्थ अपनी जड़ों से, अपनी संस्कृति से जुड़े रहना भी है। उच्च स्तर तक की शिक्षा हिन्दी माध्यम से उपलब्ध कराने में सुविधा के लिए मध्यप्रदेश सहित देश के सभी हिन्दी भाषी राज्यों में 1970 से हिन्दी ग्रन्थ अकादमियाँ स्थापित की गयीं। इन पैंतीस वर्षों में अकादमियों ने लक्ष्यानुरूप बड़ा अच्छा कार्य किया है। मेरे लिये यह बड़े सन्तोष का विषय है कि मध्यप्रदेश की यह अकादमी अपनी कार्य उपलब्धियों में सबसे आगे है। मेरा मानना है कि प्रदेश के प्राध्यापकों के सहयोग की इसमें बड़ी अहम् भूमिका रही है।

मैं अनुभव करता हूँ कि एक ओर जहाँ यह आवश्यक है कि हिन्दी माध्यम में स्नातकोत्तर स्तर के साथ विभिन्न विषयों की आधुनिकतम अवधारणाओं पर स्तरीय पुस्तकें, पुस्तिकाएँ प्रकाशित हों वहीं दूसरी ओर यह भी आवश्यक है कि प्रकाशित पुस्तकों में संशोधन परिवर्द्धन के सघन प्रयत्न निरंतर किये जाएँ। इस प्रक्रिया में यह भी देखा जाये कि पुस्तकों की भाषा सरल एवं विद्यार्थी के स्तरानुरूप हो। हिन्दी माध्यम से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के व्यापक हित की दृष्टि से इस दिशा में कार्य करना आवश्यक है। मेरा मानना है कि इससे पुस्तकों की प्रमाणिकता और उपयोगिता निश्चित रूप से बढ़ेगी। लेखकों एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों से भी मेरा आग्रह है कि वे सृजनात्मक सहयोग तो दें ही, अपने मार्गदर्शन एवं सुझावों से अकादमी को उपकृत भी करें।

हिन्दी भाषा के चहुँमुखी विकास के लिए कार्य कर रही अकादमी मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पोषित संस्था है।

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय से, नयी पुस्तकों के लेखन-प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता मिल रही है। स्पष्ट है कि अकादमी की ग्रन्थ प्रकाशन योजनाओं का क्रियान्वयन शासन के सहयोग से हो रहा है।

प्रदेश की सभी उच्च शिक्षा संस्थाओं एवं उनके प्राध्यापकों से मेरी यही अपेक्षा है कि वे अकादमी को अपनी संस्था मानें और इसके प्रकाशनों को यथाशक्ति समर्थन एवं प्रश्रय दें, क्योंकि इसका सीधा सम्बन्ध राष्ट्रभाषा हिन्दी से, हमारी अपनी मातृभाषा से है।

तुकोजीराव पवार

(तुकोजीराव पवार)
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
मध्यप्रदेश शासन
उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा तथा
अध्यक्ष
मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ क्रमांक
प्राक्कथन	(III)
प्रस्तावना	(IV)
लेखकीय	(V)
द्वितीय संस्करण	(VI)
पुरातत्व की परिभाषा	(X)
पुरातात्विक परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का संबोध	1
(1) प्रागैतिहासिक एवं आद्य इतिहास	1
पुरातात्विक परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का संबोध	
पुरातत्व का अन्य विषयों से संबंध।	
(2) पुरातत्वीय विधियां एवं तकनीक	11
सर्वेक्षण, प्रमुख सर्वेक्षण विधियां, उत्खनन, उत्खनन विधियां/ कालक्रम	
निर्धारण विधियां - सापेक्ष तिथि विधि, निरपेक्ष तिथि विधि।	
पाषाणकालीन संस्कृतियों का क्रम	36
पुरापाषाण काल	36
प्रागैतिहासिक उपकरण एवं तकनीक/पुरापाषाण काल - (अ) निम्न पुरापाषाण काल	
(ब) मध्य पुरापाषाण काल (स) उत्तर पुरापाषाण काल (द) मध्यपाषाण काल	
(य) नवपाषाण काल/उपकरण निर्माण तकनीक।	
प्रागैतिहासिक संस्कृतियां	45
निम्न पुरापाषाण कालीन संस्कृति, मध्य पुरापाषाण कालीन संस्कृति,	
उत्तर पुरापाषाण कालीन संस्कृति/मध्य पाषाण कालीन संस्कृति।	
शैल चित्रकला	71
नवपाषाणीय क्रांति	77
नवपाषाणीय क्रांति- उत्तरी क्षेत्र, विन्ध्य क्षेत्र, दक्षिण क्षेत्र, मध्य पूर्व क्षेत्र, पूर्वोत्तर क्षेत्र।	
ताम्राश्म संस्कृति/हड़प्पीय सभ्यता	88
प्राक् हड़प्पीय संस्कृति/प्रौढ़ हड़प्पीय संस्कृति	88
उत्तर हड़प्पीय संस्कृति	112
अन्य भारतीय ताम्रपाषाणिक एवं ताम्राश्मयुगीन संस्कृतियां	118
मध्य प्रदेश की नवपाषाणीय एवं ताम्राश्मयुगीन संस्कृतियां	131
मृदभाण्ड, आवास पद्धति, खाद्य सामग्री, धातु उपकरण,	
पाषाण उपकरण, मृण्मूर्तियां, आभूषण, धार्मिक दशा	
आर्य एवं आर्यीकरण	140
लौह युग	146
महापाषाणिक संस्कृतियां, चित्रित धूसर मृद भाण्ड	
उत्तरी कृष्ण परिमार्जित मृदभाण्ड	
द्वितीय नगरीकरण	166
सन्दर्भ ग्रन्थ	170

Scanned with OKEN Scanner

चित्र सूची

फलक क्रम   छाया चित्र विवरण

1. महानदी घाटी : वर्षा के कारण मिट्टी का बहाव
2. महानदी घाटी : नदियों के किनारे प्राकृतिक वनस्पति
3. शिवनाथ घाटी : नदी में प्रवाह की कमी के कारण स्तर रूपी बालू एवं मिट्टी का जमाव।
4. कुअर नाला (महानदी घाटी) : नदियों पर निर्भर पशु।
5. महानदी घाटी : पथरीली सतह पर मध्यपाषाणकालीन स्थल।
6. टरकापार (रायपुर) : स्तरीकृत जमाव से प्राप्त मध्यपाषाणकालीन उपकरण।
7. करोधरा के शैल चित्र समूह का दृश्य
8. तेर टीकला का
9. चुड़ेलों के पहाड़ का शैल चित्रण
10. चुड़ेलों के पहाड़ का शैल चित्रण

रेखाचित्र सूची

1. शीर्षिक उत्खनन (Vertical Excavation)
2. क्षैतिज उत्खनन (Horizontal Excavation)
3. वृतपाद उत्खनन (Quadrant Excavation)
4. निम्न पुरापाषाणकालीन उपकरण
5. निम्न पुरापाषाणकालीन हैंडेक्स
6. निम्न पुरापाषाणकालीन U एवं V आकृति के क्लीवर
7. मध्य पुरापाषाणकालीन उपकरण
8. उत्तर पुरापाषाणकालीन उपकरण
9. उत्तर पुरापाषाणकालीन उपकरण
10. उत्तर पुरापाषाणकालीन अस्थि उपकरण
11. मध्य पाषाणकालीन उपकरण
12. मध्य पाषाणकालीन उपकरण
12 · अ. भीमबैठका के शैलचित्र

14. कोटदीजी मृदभाण्ड	90
15. आम्रशी मृदभाण्ड	91
16. कोटदीजी मृदभाण्ड	92
17. आम्री : चित्रित मृदभाण्ड	93
18. हड़प्पीय मृदभाण्ड	104
19. मीताथल : उत्तर हड़प्पीय मृदभाण्ड	112
20. रंगपुर मृदभाण्ड	113
21. गैरिक मृदभाण्ड	115
22. कायथा : लाल पात्र	119
23. कायथा : मृदभाण्ड	120
24. कायथा : ताम्र कुल्हाड़ियां एवं चूड़ियां	121
25. अहाड मृदभाण्ड	122
26. अहाड : कृष्ण लोहित मृदभाण्ड	123
27. अहाड : कृष्ण लोहित मृदभाण्ड	124
28. चन्दोली : जोर्वे मृदभाण्ड	126
29. इनामगांव : जोर्वे मृदभाण्ड पर बैल सहित बैलगाड़ी एवं नाव का चित्रण	128
30. नेवासा से प्राप्त मृदभाण्ड	129
31. नावदा टोली : मालवा मृदभाण्ड	132
32. नावदा टोली : मालवा मृदभाण्ड	133
33. नावदा टोली : ताम्र कुल्हाड़िया	134
34. ब्रह्मगिरी : कृष्ण लोहित चमकीले मृदभाण्ड	149
35. दक्षिण भारतीय महाश्मों से प्राप्त लौह उपकरण	150
36. चित्रित धूसर मृदभाण्ड	156
37. चित्रित धूसर मृदभाण्ड कालीन अन्य पुरा सामग्री	157
38. राजघाट : लाल मृदभाण्ड एवं कृष्ण लोहित मृदभाण्ड	159
39. राजघाट : उत्तरी कृष्ण परिमार्जित मृदभाण्ड	160
40. बुद्धकालीन भारत	168

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 81-7327-194-I

Scanned with OKEN Scanner